रसना राधे राधे बोल | By Ritika Bhatia

अपनी वाणी में अमृत घोल
हो रसना राधे राधे बोल
ये बोल बड़े अनमोल
हो रसना राधे राधे बोल

राधा जी बरसाने वारी राधा जी विषभान दुलारी
दो अक्षर आधार जगत के दो अक्षर अनमोल
हो रसना राधे राधे बोल

राधा जी महा रास रचावे राधा जी नन्द लाल रिझावें
इस छबि को भरकर नैनन में अंतर के पट खोल
हो रसना राधे राधे बोल

बिन राधा नहीं सजे मुरारी बिन राधा नहीं मिले बनवारी
इनके चरण पकड़ ले नादाँ भटक ना दर दर दोल
हो रसना राधे राधे बोल

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%b8%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a7%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a7%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a5%8b%e0%a4%b2-by-ritika-bhatia/